

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 25 सितम्बर, 1986

क्रमांक 609-ज-2-86/29370.—श्री गुगन सिंह, पुत्र श्री हरदत्त सिंह, गांव विलावल, तहसील दादरी, जिला भिवानी, जिसे हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग की अधिसूचना क्रमांक 11176-जे०एन०-III-65/10004, दिनांक 2 दिसम्बर, 1965 द्वारा खरीफ 1964 से 100 रुपये वार्षिक युद्ध जागीर स्वीकृत की गई थी और जिसे बाद में अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-3-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 अनुसार 100 रुपये से बढ़ाकर खरीफ, 1970 से 150 रुपये वार्षिक तथा उसके बाद अधिसूचना क्रमांक 1789-जे-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979, अनुसार 150 रुपये से बढ़ाकर रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कर दी थी, रद्द की जाती है।

दिनांक 29 सितम्बर, 1986

क्रमांक 884-ज(I)-86/29695.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1)(ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री संत सिंह, पुत्र श्री आत्मा सिंह, गांव रायवाली, तहसील नारायणगढ़, जिला अम्बाला, को खरीफ, 1976 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रबी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की कीमत की युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 893-ज(I)-86/29699.—श्री सूरत राम, पुत्र श्री दिवान सिंह, मकान नं० 22, नातक कालोनी नजदीक महावीर कालोनी, छोटा मॉडल टाऊन, यमुनानगर, जिला अम्बाला, को दिनांक 7 दिसम्बर, 1985 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री सूरत राम को मुब्लिग 300 रुपए वार्षिक की जागीर, जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 1174-ज-I-75/19462, दिनांक 2 जुलाई, 1975 तथा 1789-ज-(I)-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979, द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती शकुन्तला देवी के नाम खरीफ, 1986 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

सोम नाथ,
अवर सचिव, हरियाणा सरकार,
राजस्व (ए० एण्ड जे०) विभाग।

विकास तथा पंचायत विभाग

आदेश

दिनांक 12 अगस्त, 1986

क्रमांक डी०पी०एच० (एल.ए.1) 86/363—राज्यपाल, हरियाणा ने ग्राम पंचायत ढालनवास, खंड नाहड़, जिला रोहतक के विरुद्ध पाई गई अनियमितताओं के आधार पर उसे पंजाब ग्राम पंचायत अधिनियम, 1952 की धारा 103 (I) में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश क्रमांक डी०पी० एच० (ई.1) 85/305, दिनांक 26 अगस्त, 1985 द्वारा भंग किया था और अधिनियम की धारा 103 की उप धारा (2) के क्लॉज (सी) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत ढालनवास की समस्त शक्तियों तथा कार्यों (सिवाय न्यायिक कार्य) करने हेतु समाज सेवा एवं पंचायत अधिकारी, नाहड़ को प्रशासक नियुक्त किया गया था।

इस सम्बन्ध में खंड विकास तथा पंचायत अधिकारी, नाहड़ की रिपोर्ट क्रमांक 397 दिनांक 8 अप्रैल, 1986 जो उपायुक्त, रोहतक के पत्र क्रमांक 4700/पंचायत दिनांक 14 मई, 1986 द्वारा प्राप्त हुई है। इस रिपोर्ट का निरीक्षण करने के पश्चात् राज्यपाल, हरियाणा सन्तुष्ट हैं तथा पंचायत ग्राम पंचायत अधिनियम, 1952 की धारा 103 की उपधारा (3) के क्लॉज (बी) द्वारा निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधिनियम की धारा 5(1) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत ढालनवास खंड नाहड़ पुनः स्थापित करते हैं, इस ग्राम पंचायत के सरपंच एक हरिजन पंच सहित पांच पंच होंगे तथा एक महिला पंच होगी।

एम. कुट्टप्पन,

आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
विकास तथा पंचायत विभाग।